R-1108

B.A. Second Year Regular / Private Examination, 2020-2021

SANSKRIT LITERATURE

Paper - First

गद्य, दर्शन एवं व्याकरण

Time : 3 Hours *Maximum Marks P/R : 100/80*

Minimum Marks P/R : 33/27

खण्ड – अ

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं: **[5×6=30]** **[5×4=20]**

1. शुकनासोपदोश के आधार पर गुरुपदेश की महिमा का वर्णन कीजिए।

अथवा

शुकनासोपदेश का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

2. बुद्ध–प्रणीत चार आर्य–सत्य कौन से हैं? उनका विवरण दीजिए।

अथवा

वेदान्तदर्शन के अनुसार आत्मा के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

3. नामकरण संस्कार के महत्त्व की विवेचना कीजिए।

अथवा

अन्नप्राशन संस्कार का वर्णन कीजिए।

4. कर्मवाच्य की विशेषताएँ लिखिए।

अथवा

भाववाच्य को सोदाहरण समझाइए।

5. अव्यायीभाव समास की उदाहरण सहित विवेचना कीजिए।

अथवा

तत्पुरुष समास के भेदों का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

खण्ड – ब

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं: **[5×14=70]** **[5×12=60]**

1. ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए :

गर्भेश्वरत्वमभिनवयौवनत्वमप्रतिमरूपत्वममानुशक्तित्वं चेति महतीयं खल्वनर्थपरम्परा सर्वा। अविनयानामेकैकमप्येषामायतनम्, किमुत समवायः। यौवनारम्भे च प्रायः शास्त्रजलप्रक्षालननिर्मलापि कालुष्यमुपयाति बुद्धिः। अनुज्झितधवलतापि सरागैव भवति यूनां दृष्टिः। अपहरति च वात्येव शुष्कपत्रं समुद्भूतरजोभ्रान्तिरतिदूरमात्मेच्छया यौवन समये पुरुषं प्रकृतिः। इन्द्रियहरिण हारिणी च सततदुरन्तेयमुपभोगमृगतृष्णिका।

अथवा

अकालकुसुमप्रसवा इव मनोहराकृतयोऽपि लोकविनाशहेतवः श्मशानाग्नय इवातिरौद्रभूतयः, तैमिरिका इवादूरदर्शिनः, उपसृष्टा इव क्षुद्राधिष्ठितभवनाः, श्रूयमाणा अपि प्रेतपटहा इवोद्वेजयन्ति, चिन्त्यमाना अपि महापातकाध्यवसायाः इवोपद्रवमनुपजनयान्ति। अनुदिवसमापूर्यमाणाः पापेनेवाध्मातमूर्तयो भवन्ति, तदवस्थाक्ष व्यसनशतसख्यतामुपगता वल्मीकतृणाग्रावस्थिता जलबिन्दव इव पतितमप्यात्मानं नावगच्छन्ति।

2. अष्टाङ्ग योग से आप क्या समझते हैं? उनका वर्णन कीजिए।

अथवा

जैनदर्शन के सप्तभङ्गीनय की विवेचना कीजिए।

3. संस्कार की परिभाषा लिखते हुए षोडश संस्कारों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

अथवा

उपनयन संस्कार का क्या विधान है? उसके महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

4. वाच्य परिवर्तन को परिभाषित करते हुए कर्तृवाच्य के नियम उदाहरण सहित लिखिए।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं सात वाक्यों को कर्मवाच्य में परिवर्तित कीजिए–

(i) सुरेशः आपणं गच्छति।

(ii) सरिता पत्रं लिखति।

(iii) अहं ग्रन्थौ पठामि।

(iv) त्वं दुग्धं पिबसि।

(v) रमा चित्रं पश्यति।

(vi) बालाः श्लोकं गायन्ति।

(vii) गणेशः फलं खादति।

(viii) त्वं तिष्ठसि।

(ix) अहं हसामि।

(x) भक्तः हरिं पूजयतु।

(xi) वयं जयघोषं कुर्मः।

(xii) वटुकः मन्त्रान् स्मरति।

5. समास का लक्षण बताते हुए द्वन्द्व समास को उदाहरण सहित विस्तार से समझाइए।

अथवा

निम्नाङ्कित में से किन्हीं सात पदों का समास-विग्रह करते हुए नामोल्लेख कीजिए:

(i) अधिहरि

(ii) निर्मक्षिकम्

(iii) अतिहिमम्

(iv) दुःखापन्नः

(v) चौरभयम्

(vi) कृष्णसर्पः

(vii) पञ्चगवधनः

(viii) अब्राह्मणः

(ix) प्राप्तोदकः

(x) व्यूढोरस्कः

(xi) ईशकृष्णौ

(xii) पितरौ।

◆◆◆